दीपावली और धन समृद्धि के उपाय

अर्चना गुप्ता

लक्ष्मी प्राप्ति के चार प्रमुख दिन बताए गए हैं। यह ऐसे चार मुहूर्त हैं, जब धन की देवी महालक्ष्मी स्वयं धरती पर विचरती हैं। पहला महूर्त अक्षय तृतीया, दूसरा मुहूर्त शरद पूर्णिमा, तीसरा मुहूर्त कार्तिक अमावस्या और चौथा मुहूर्त कार्तिक पूर्णिमा। यह चार मुहूर्त ऐसे हैं जिस पर देवी महालक्ष्मी अपने वरद हस्त खुलकर समस्त संसार पर धन वर्षा करती है।

हर मनुष्य की चाहत होती है अपार धन की प्राप्ति, लेकिन यह धन आपको सिर्फ चाहने भर से नहीं मिलता। इसके लिए आपको मां लक्ष्मी को प्रसन्न करना बहुत जरूरी होता है। शास्त्रों के अनुसार दीपावली (कार्तिक अमावस्या) के दिन किए गए उपाय से महालक्ष्मी बहुत जल्द प्रसन्न होती हैं और घर में धन-सम्पदा का आगमन होता है।

शास्त्रों के अनुसार लक्ष्मी प्राप्ति के चार प्रमुख दिन बताए गए हैं। यह ऐसे चार मुहूर्त हैं, जब धन की देवी महालक्ष्मी स्वयं धरती पर विचरती हैं। पहला महूर्त अक्षय तृतीया, दूसरा मुहूर्त शरद पूर्णिमा, तीसरा मुहूर्त कार्तिक अमावस्या और चौथा मुहूर्त कार्तिक पूर्णिमा। यह चार मुहूर्त ऐसे हैं जिस पर देवी महालक्ष्मी अपने वरद हस्त खुलकर समस्त संसार पर धन वर्षा करती है।

इस दिन पूजा के समय गुलाब की सुगन्ध की अगरबत्ती जलाएं। लाल माला चढ़ाएं। मावे की बर्फी का भोग लगाएं। अष्टगंध से श्रीयंत्र और अष्टलक्ष्मी पर तिलक लगाएं। कमलगट्टे की माला हाथ में लेकर '**ऐं ह्रीं श्रीं अष्टलक्ष्म्यै ह्रीं सिद्धये मम गृहे आगच्छागच्छ नमः स्वाहा।।**' मंत्र का जप करें।

समुद्रवासिनी लक्ष्मी को प्रिय होने वाली 27 दुर्लभ वस्तुओं का संग्रह कर शुभ मुहूर्त में अभिमंत्रित करके अपनी तिजोरी अथवा उत्तर-पूर्व अथवा उत्तर - पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। इसमें अकूट लक्ष्मी का वास होता है और वास्तुदोषों से मुक्ति मिलती है। धन की देवी सदा स्थिर रहती है। दुर्भाग्य दूर होता है। अन्न, धन, स्वर्ण, आभूषण की प्राप्ति होती है। यह 27 वस्तुएं 27 नक्षत्रों को संबोधित करती हैं, जो कि निम्न प्रकार हैं :

1. **पीली कौड़ी :** इसे कुबेर कौड़ी भी कहा जाता है।
2. **मोती शंख :** समुद्री शंख के ऊपर मोती की आकृति बनी होती है।
3. **अमूल्य गोमती चक्र :** यह एक ऐसा पत्थर है, जो गोमती नदी में मिलता है।
4. **एकाक्षी लघु श्रीफल :** एक आंख वाला नारियल जिसे लक्ष्मी पुत्र कहकर भी संबोधित किया जाता है।

5. **मुक्तामणि।**
6. **समुद्री झाग :** इसका प्रयोग षटकर्म में किया जाता है।
7. **समुद्री सीप**
8. **कमल के बीज अर्थात् कमलगट्टा :** यह सभी वस्तुएं प्राकृतिक रूप से जल स्रोतों में पाई जाती है ।

इनके अलावा लक्ष्मी जी को प्रसन्न करने की और भी आठ वस्तुएं हैं :

1. **काली हरिद्रा :** इसका प्रयोग तांत्रिक कार्य में प्रयोग होता है।
2. **जटामांसी :** इसका प्रयोग सिद्धि प्राप्त करने के लिए किया जाता है।
3. **बिल्व गिरि, 4. स्त्री लॉन्ग, 5. सूखा आंवला, 6. चंद्रदेव की शतावरी।**
7. **चिरमी :** सफेद, काली और लाल चिरमी के बीच और
8. **ज्वार पोखरा :** उगी हुई ज्वार की जड़ समेत कोपल।

इस पोटली में दो यंत्रों का समावेश किया जाता है भोजपत्र पर निर्मित अष्टगंध से लिखा हुआ लक्ष्मी यंत्र तथा अष्टधातु पर बना हुआ श्रीयंत्र और इनके अलावा हिमालय से प्राप्त की गई स्फटिक मणि तथा शुक्र का प्रतीक एक चांदी का टुकड़ा, फिर शुद्ध देशी कपूर खंड, लक्ष्मी जी को प्रिय रक्त चंदन, नारायणी स्वरूप पूरे साबुत चावल, लक्ष्मीप्रिया गुलाल, शुक्र प्रिय अबीर, लक्ष्मी प्रिय रेशमी लाल वस्त्र। यह एक अद्‌भुत प्रयोग है।

इनके अतिरिक्त दीपावली (कार्तिक अमावस्या) के दिन करने वाले कुछ साधारण उपाय निम्नलिखित हैं :

1. लक्ष्मी के चित्र का पूजन करें जिसमें लक्ष्मी जी भगवान विष्णु के चरणों के पास बैठी हो। ऐसा करने से महादेवी लक्ष्मी बहुत जल्द ही प्रसन्न होती हैं।
2. स्थिर लग्न होने पर महालक्ष्मी का पूजन करना चाहिए।
3. पूजन में लक्ष्मी यंत्र, श्रीयंत्र, कुबेर यंत्र रखना चाहिए।
4. लक्ष्मी पूजन के समय एक नारियल लें और उस पर कुंकुम, अक्षत, पुष्प आदि अर्पित करके पूजा में रखें।
5. पूजन में लाल धागे से लपेटकर सुपारी रखनी चाहिए तथा पूजन के पश्चात सुपारी को अपनी तिजोरी में रखें।
6. प्रथम पूज्य गणेश जी को दूर्वा अर्पित करें। दूर्वा की 21 गांठ गणेश जी को चढ़ाने से उनकी कृपा प्राप्त होती है तथा गणेश जी के साथ लक्ष्मी जी की भी कृपा प्राप्त होती है।
7. रात्रि में लक्ष्मी पूजन करते समय एक बड़ा घी का दीपक जलाना चाहिए जिसमें नौ बत्तियां हों और सभी बत्तियां जलाएं। सरसों तेल के 32 दीपक जलाना चाहिए।
8. पूजन के समय श्रीसूक्त एवं कनकधारा स्त्रोत का पाठ करना चाहिए। राम रक्षा स्त्रोत अथवा हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का भी पाठ किया जा सकता है।
9. घर में तुलसी के पौधे के पास दीपक जलाएं तथा तुलसी को वस्त्र अर्पित करें।
10. जो लोग धन का संचय बढ़ाना चाहते हैं, अपनी तिजोरी में लाल कपड़ा दिखाएं तथा महालक्ष्मी की बैठी हुई तस्वीर भी तिजोरी में लगाएं।
11. अपने कार्यस्थल पर भी पूजन कार्य करना चाहिए।
12. महालक्ष्मी के महामंत्र का कमलगट्टे की माला से कम से कम 108 बार जाप करना चाहिए।

मंत्र : श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः।

13. दीपावली से दो दिन पहले धनतेरस के दिन झाड़ू खरीदने का विशेष महत्त्व है। यह दिन साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।
14. दान-पुण्य भी करना चाहिए। मंदिर में भी झाड़ू का दान करना चाहिए।
15. दीपावली के दिन सुबह-सुबह शिवलिंग पर तांबे के लोटे से जल अर्पित करें। केसर भी डालेंगे तो अति उत्तम होगा।
16. यदि संभव हो सके, तो इस दिन किसी किन्नर से उसकी खुशी से 1 रुपया लें और अपने पर्स में रखें। इससे बरकत बनी रहेगी।
17. यह पर्व अमावस्या के दिन होता है। इसीलिए पीपल के वृक्ष को जल अर्पित करना चाहिए तथा तेल का दीपक जलाना चाहिए। ऐसा करके चुपचाप अपने घर लौट आएं और वापस पलटकर नहीं देखें। ऐसा करने से शनि के दोष और कालसर्प दोष समाप्त हो जाते हैं।

विषम आर्थिक परिस्थितियों से निपटने के उपाय

1. दीपावली की रात्रि से प्रारंभ करके 'ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं' मंत्र का जाप 40 दिन तक लगातार करें। 40वें दिन 9 वर्ष से कम आयु की कन्याओं को भोजन कराएं। दक्षिणा देकर चरण स्पर्श करें। पूजन पूरा होने के 40 दिन तक लक्ष्मी मां की मूर्ति एक ही स्थान पर रहेगी।
2. पूजन के लिए लक्ष्मी जी का फोटो लगाएं। उस पर कमलगट्टे की माला चढ़ाएं। पूजन में श्रीयंत्र रखें।
3. शुक्रवार के दिन दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर भगवान विष्णु का अभिषेक करें।
4. 21 शुक्रवार को नौ कन्याओं को खीर खिलाने से भी आर्थिक विषमता दूर होती है।
5. गुरुवार को व्रत रखें। गाय को गुड़ और चना की दाल खिलाएं और पीपल पर जल चढ़ाएं।
6. तिजोरी में पूजा में प्रयुक्त की गई प्रतिष्ठित हल्दी की गांठ रखें।
7. तिजोरी को कभी भी खाली ना रखें। कुछ सिक्के हमेशा तिजोरी में रहने चाहिए।
8. शुक्लपक्ष के प्रथम शनिवार को 10 बादाम लेकर हनुमान जी के मंदिर जाएं और वहां बादाम रख दें। वापस आते समय 5 बादाम लाकर लाल वस्त्र में बांधकर अपनी तिजोरी में रख दें।
9. एक नया ताला खरीदकर शनिवार के दिन शिवलिंग पर चुपचाप रख आएं। ताले को खोलकर नहीं देखें। जब कोई व्यक्ति उस ताले को उठाकर खोलेगा, तब आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा। यह आजमाया हुआ टोटका है।
10. ध्यान रखें बुधवार के दिन किसी को उधार ना दें, क्योंकि इसके वापसी की उम्मीद नहीं होती है।

ऐसा हम सभी जानते हैं कि हमारे जीवन पर ग्रहों और नक्षत्रों का असर पड़ता है, क्योंकि हमारा जीवन और ब्रह्माण्ड पंचतत्व से बना है। यदि इसमें कोई दोष होता है, तो इसका प्रभाव हमारे जीवन पर भी नकारात्मक पड़ता है, जिसका नुकसान हमें उठाना पड़ता है। ऐसी अवस्था में हमें लगता है कि कुछ सामान्य ज्योतिषीय उपाय करके हम समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। यह बात बिल्कुल सही है कि श्रद्धापूर्वक किए गए उपायों से तत्त्वों का बैलेंस सही होता है, जिससे नकारात्मक ऊर्जा कम होती है और जातक को अवश्य ही लाभ होता है, परंतु इसके लिए जातक को एक अनुभवी ज्योतिष से परामर्श लेकर यह ज्ञात करना चाहिए कि उनके औरा में किस तत्व की कमी है और उसे किस प्रकार से बैलेंस करना चाहिए। दान आदि कर्म हमारे कर्त्तव्य हैं। शास्त्रों में इनको यज्ञ रूप में कहा गया है जो हमारे जीवन के लिए अत्यन्त ही जरूरी है। इसमें कोई अंधविश्वास नहीं है। स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है। अभी इस कोरोना काल में विषम परिस्थितियों में स्वास्थ्य की सुरक्षा की दृष्टि से सभी देशवासियों को और विश्व के लोगों को उपाय के तौर पर **'ॐ नमः शिवाय'** मंत्र का जाप और विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना चाहिए।